


10 $\frac{01}{24}$

पत्रावली पैरा दुरी। पार्थ अनु।
पार्थ से बार-बार आव्रजे लगते गई। बार-बार
आव्रजे लगाने के बावजूद पार्थ अनुपस्थित है व
अधी और से कोई आधिक्य भी उपस्थित नहीं है।
ऐसी स्थिति में उक्त प्रकरण अयम दायरी। अयम पैरा
में आव्रजे दिया जाता है। पत्रावली पैराल शुमार
द्वारा नम्बर से कम है।


उपविण्ड अधिकारी
वाली (जिला-पाली) राज